



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—पर्व 1
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ८]

मई विलासी, शुक्रवार, प्राप्तिव्रत २४, १९८७/बैंसाख ४, १९०९

No. ८]

NEW DELHI, FRIDAY, APRIL 24, 1987/VAISAKHA 4, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वाली जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, २० अप्रैल, १९८७

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा २६९

(घ) (१) के अधीन सूचनाएँ

निर्भय सं. आई.ए.सी./एप्यू./१/३७६८/७-८६/३२०८—अस. धूमे,
एम. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है) की धारा २६९ए के
अधीन सकारात्मक अधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर
मंपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य १००,००० रु. से अधिक है और
विमानी मंज़बा है तथा जो फ्लैट नं. १०१५, १०वां फ्लॉर,
विविका टावर में स्थित है (और इसमें उपावर्द्ध अनुमति में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रेशमीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त
(निरीक्षण) अर्जन रोड-१, दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, १९६१
के अधीन लागी जुलाई, १९८६ को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम से कम दृष्ट्यामान प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और
मूर्म वह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त संपत्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृष्ट्यामान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यामान प्रतिफल के फलह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय (प्रत्यक्षितों)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यथा प्रतिफल, निम्नलिखित उचित
से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आयकर अधिनियम
१९६१ (१९६१ का ४३) के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आक्षियों को, जिन्हें
भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या आयकर अधिनियम,
१९६१ (१९६१ का ४३) या व्यवसायक अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोगनार्थी अनुसिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनु: अन्तरक अधिनियम की धारा २६९ए के अनुपरण में, मैं उक्त
अधिनियम की धारा २६९-ए की उपवारा (१) के अधीन निम्नलिखित
प्रक्रियाओं, अनुसि:—

- श्री एम. एस. बस्ता, मुप्रति स्वर्गीय जमन दाता बस्ता,
१५०८, सेक्टर १८-डी, चंडीगढ़ (अन्तरक)

2. मिस्टर अनील विंग, सुपुत्र श्री के. एल. विंग और
मेसर्स अनिका इंटरनेशनल प्रा. लिमि. एम-2, हेमकूट टावर,
98, नेहरू प्लैस, नई दिल्ली, 110019
(अन्तरीती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रांन के लिए कार्यवाही शुरू करसा है।

उक्त संपत्ति के ग्रांन के संबंध में कोई भी विवेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी ग्रान्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रन्थाय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, अहीं अर्थ होगा, जो उस ग्रन्थाय में दिया गया है।

अनुसूची
फ्लैट नं. 1015,
10वीं लाई, देविका टावर,
6-नेहरू प्लैस,
नई दिल्ली।
तादाती 500 वर्ग फीट।

दा. 20-4-87

मोहरः :

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

Notices under Section 269D(1) of the Income Tax Act, 1961
(43 of 1961)

New Delhi, the 20th April, 1987

Ref. No. IAC[Acq-1]37EE[7-86]3208.—Whereas I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.—Flat No. 1015 on 10th floor of Devika Tower situated at 6 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) and has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269 AB of I.T. Act, 1961, read with Rule 48DD (4) of the Income-tax Rules, 1962 on July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 169 C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property

by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Mr. M. S. Khanna,
S/o Late Shri Jamnadas Khanna,
1508, Sector 18-D, Chandigarh (Transferor)

(2) Mr. Anil Vig,
S/o Shri K. L. Vig & M/s. Anika,
International Pvt. Ltd., M-2, Hemkunt Tower,
98, Nehru Place, New Delhi-110019 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1015, measuring 500 Sq. ft. on 10th floor of Devika Tower, 6-Nehru Place, New Delhi-110019.

Date : 24-4-87
Seal

निर्देश सं. आई.ए.सी./एक्यू. 1/37ई/7-86/3207.—अतः महे, एस. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब० के प्रधीन सक्षम अधिकारी को यह विवाद करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी संख्या १०१५ नं. देविका टावर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपांशुद्ध अनुसूची में पूर्ण सूप से वर्णित है), रजिस्ट्रेटर अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर अधिकृत (निरी-कारण) अंतरेश-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जूलाई 86 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कमसे कम दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल के पत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) गार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग तात्पर्य गया प्रसिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्धारित में नास्तिक सूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन करदेने के अन्तरक के अन्तरित व्यक्ति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय पा किसी धन या किसी अन्य आस्तियों को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाम अन्तरिती व्याय प्रक्रिया नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उप-धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमः—

1. मिस सुरेशी अना, मुमुक्षी, श्री पी. एस. खन्ना
ए.31, हौजबास,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मैसर्स अनिका इंटरनेशनल प्रा. लिमि.,
एम 2, हेमकुंट टावर,
98, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली 110019 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अदीस्तानकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

उपर्योग :—हमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के में यथा परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
फ्लैट नं. 1014,
तादादी 500 वर्ग फीट,
10वां खंड,
देविका टावर,
6 नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली-110019

ता. : 20-4-1987

मोहर :

Ref. No. IAC|Acq-I|37EE|7-86|3207 :—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.—Flat No. 1014 on 10th floor of Devika Tower, situated at 6 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s. 269AB of the Income-Tax Act, 1961 read with Rule 48DD(4) of the Income-Tax Rules, 1962 on July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and transferee (s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Miss Surbhi Khanna, D/o Shri P. S. Khanna, A-31, Hauz Khas, New Delhi (Transferor)
- (2) M/s. Anika International Pvt. Ltd., M-2, Hemkunt Tower, 98-Nehru Place, New Delhi-110019 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1014, Measuring 500 Sq. ft. on 10th floor of Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi-110019.

Date : 20-4-87

Seal :

निदेश सं. आई.ए.सी./एक्यू. 1/37ई/7-86/3206.—अतः मुझे, एस.सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और गिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं. 1013, देविका टावर, नई दिल्ली-19 में स्थित है (और इससे उपरबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जुलाई, 1986 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पच्छ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए, और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों को, जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

1. मैसर्स गिमेक्स रबर्स,
पर-प्रो. हिल्टन इंजिनियरिंग प्रा. लिमि.,
40, नवरुद्ध द्वाकिट, गाजियाबाद
(यू.पी.)

2. मैसर्स अकुर कैमिकल्स कारपोरेशन,
एम-9ए, हेमकुंट टावर,
98, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त गत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण.—इगमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होता है, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची
फ्लैट नं. 1013,
तावादी 465 बर्ग फ्लैट,
10वीं लेट,
वैविका टावर
6-नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली-110019

ता. : 20-4-87

मोहर :

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-86/3206.—Whereas I, S. C. Gupta, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1013 on 10th floor of Devika Tower, situated at 6, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and has been registered with the Competent Authority u/s 269AB of the I.T. Act, 1961, read with Rule 48DD(4) of the Income-tax Rules, 1962 on 1 July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gimpeks Rubbers,
Per-Prop. Hilton Engg. (P) Ltd.,
40-Navyug Market, Ghaziabad (U.P.).
(Transferor)

(2) M/s. Ankur Chemical Corporation,
M-9A, Hemkunt Tower, 98, Nehru Place,
New Delhi-110019.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of the Notice in the Official Gazette;

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1013, measuring 465 sq. ft. on 10th floor of Devika Tower, 6-Nehru Place, New Delhi-110019.

Date : 20-4-1987

Seal :

निदेश सं. आई. ए.पी./एस्यू. 1/37EE/7-86/3205.—प्रत: मुझे, एम. सी. गुप्ता, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन संक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी संभावा है तथा जो फ्लैट नं. 1012, वैविका टावर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन तारीख जुलाई, 1987 को पूर्वोत्तम संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तम संपत्ति का उचित-बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिष्ठाते से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वारतविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात् :—

1. मैं गिम्पेक्स रेसर्स पर-प्रोप.

हिन्टन इंजी. प्रा. लिमि, 40, नवमुग मार्किट,
गाजियाबाद (मु. पी.)

(अन्तरक)

2. अनिल विंग, मुमुक्षु कॉ. एल. विंग,
निवासी-सी-1/60, सफदरजंग डेवलपमेंट प्रिया,
नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आकेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तम व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(x) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवरताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20 के में व्यापक परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं. 1012,
तावारी 550 बूर्ग फॉर्ट
10वीं फ्लॉर,
देविक टावर,
6-नेहरू प्लैस,
नई दिल्ली-110019

तारीख 20-4-87

मोहर

एस. सी. गुप्ता, सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजन रेंज 1, दिल्ली/नई दिल्ली

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-86/3205.—Where I, S. C. Gupta being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 1012 on 10th floor Devika Tower, situated at 6 Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred/and has been registered with the Competent Authority u/s. 269AB of the I.T. Act, 1961 read with Rule 48DD(4) of the Income-tax Rules, 1962 on July, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) M/s. Gimpex Rubbers, Perpropetor,
Hilton Engineers (P) Ltd.,
40, Navyug Market, Ghaziabad (U.P.)
(Transferor)

(2) Mr. Anil Vig, S/o Mr. K. L. Vig,
R/o C-1/60, Safdarjung Development Area,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any aforesaid persons within a period 45 days from date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of Notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1012, Measuring 550 sq. ft. on 10th floor of Devika Tower, 6-Nehru Place, New Delhi-110019.
Date 20-4-1987.

Seal :

S. C. GUPTA, Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range 1,
Delhi/New Delhi

